कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) से (घ) जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

सहकारिता की शिक्षा का दिया जाना

3326. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अध्ययन दल की सिफारिशों के बावजूद सरकार सहकारिता आन्दोलन के स्वस्थ विकास में सहायता देने हेतु सहकारिता की शिक्षा की आवश्यकता को स्वीकार करने को तैयार नहीं है ; और

(ख) क्या सरकार छात्रों को आरम्भ से ही सहकारिता की शिक्षा दिए जाने की आवश्यकता पर जोर देने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्रालय में उर्वरक विभाग में राज्य मंत्री (श्री आर० प्रभु): (क) जी नहीं। सातवीं पंचवर्षीय योजना में यह निर्धारित किया गया है कि सहकारी प्रशिक्षण और शिक्षा कार्यक्रम को तेज किया जायेगा और इसे सहकारी आंदोलन के विभिन्न क्षेत्रों की बढ़ती हुई विविध आवश्यकताओं से सम्बद्ध किया जायेगा। इसके अतिरिक्त, सातवीं योजना के अंतर्गत सहकारी विकास की नीति में अन्य बातों के साथ-साथ व्यावसायिक प्रबंध का सम्बर्धन करने और सहकारी समितियों को परिचालन क्षमता में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण की प्रभावी सुविधाओं को सुदृढ़ करने का विचार है।

(ख) समय-समय पर इस बात पर बल दिया गया है कि विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्रों को सहकारिता की संकल्पना और विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में इसके उपयोग के बारे में अवगत कराया जाना चाहिए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में सहकारिता को शिक्षा का विषय बनाये जाने के लिये यह भी सलाह दी गई है कि सम्वर्धनात्मक एजेंसियों द्वारा उपयुक्त साहित्य सृजित किया जाना चाहिए।

बिहार में परवल का उत्पादन

3327. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार में मुंगेर जिले का बिन्दा दियारा क्षेत्र, परवल के उत्पादन के मामले में सबसे आगे है ; और

(ख) क्या यह भी सच है कि परवल सब्जी पर न तो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पास और न पुस्तकालय में कोई साहित्य उपलब्ध है और न इस प्रकार के साहित्य को तैयार करने की कोई व्यवस्था ही की गई है ; और यदि हां, तो उसके क्या कारण है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) बिहार का मुंगेर जिले का बिन्दा दियारा क्षेत्र देश में परवल उगाने वाले क्षेत्रों में से एक है। तथापि परवल उगाने वाले क्षेत्र तथा परवल के कुल उत्पादन के बारे में आंकड़े उपलब्ध नहीं है।

(ख) सब्जियों पर पाठ्य पुस्तकों में परवल फसल पर साहित्य तथा इसकी विशेषताएं आदि उपलब्ध है परन्तु किये गये विशिष्ट अनुसंधान कार्य पर पैकेज आफ प्रेक्टिसिज पर साहित्य उपलब्ध नही है। यह तब उपलब्ध होगा जब इस समय चालू अनुसंधान प्रयोजनाओं से कुछ परिणाम प्राप्त हो जायेंगे।

पशुधन सुधार योजना

3328. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव**: क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा पशुधन सुधार की कितनी योजना-

नाएं आरम्भ की गई है ; वे किस किस जगह पर चलाई जा रही है और किस किस जगह पर वे समाप्त कर दी गई हैं, पिछले वर्षों के दौरान इन योजनाओं पर होने वाले व्यय में कितनी वृद्धि हुई है और इस कार्य में उन्हें कितनी सफलता मिली है ; और

(ख) क्या बिहार के गांवों को अच्छी नस्ल की गायें उपलब्ध कराई गई थी, यदि हां, तो ग्रामवार और क्षेत्रवार ऐसी कितनी गायें, गांवों में उपलब्ध कराई गई, यदि नहीं, तो क्या सरकार इस संबंध में कोई व्यवस्था करने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अधीन पशुओं पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजना दिनांक 30-6-1986 से निम्नलिखित स्थानों पर कार्यरत है :—

(1) भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर (उ० प्र०)।

(2) हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार।

(3) जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, (म० प्र०)।

(4) महात्मा फुले कृषि विश्वविद्यालय, राहूड़ी (महाराष्ट्र)।

(5) आंध्र प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, लाम, आंध्र प्रदेश।

इस प्रायोजना पर छठी योजना के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का हिस्सा 201.63 लाख रुपये था। विदेशगत पैत्रिकता, विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों हेतु प्रयोग हेतु विदेशगत प्रजाति और एफ 1 और एफ 2 पीढ़ियों से गिरावट के स्तरों पर सूचनाओं के सम्बंध में पशुओं पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजना के लक्ष्य को प्राप्त किया जा चुका है, दिनांक 1-7-1986 से वर्त्तमान प्रायोजना को चरणों में बांट दिया गया है और पशुओं पर प्रायीजना निदेशालय के अन्तर्गत निम्नलिखित नई योजानाएं शुरू की जा रही है :—

1. देशी प्रजातियों के सुधार पर आनुवंशिक अध्ययन।

2. हाल्सटेन फ्रीजियन संकरणों पर मिलिट्री डेरी फार्मों पर आनुवंशिक अध्ययन।

3. संकरित पशुओं के अनुकूल बनाने पर अध्ययन।

4. संकरित पशुओं की पोषण कुशलता पर अध्ययन।

5. कार्यक्षमता आंकडों के क्षेत्र रिकार्ड का मानकीकरण।

उन सर्वोत्तम आनुवंशिक दलों पर जो पशुओं पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजना से प्राप्त किये गये थे, उनके पोषण और अनुकूलन पक्ष पर अध्ययन किये गये। जबकि क्रम सं० 1 से 3 तक की प्रायोजनाएं योजना निधि के अभाव में रही क्रम सं० 4 और 5 पर दी गई योजनाओं को वित्तीय सहायता कृषि उत्पाद उपकर निधि से दी जा रही है। क्रम सं० 1 से 3 तक दी गयी योजनाओं के लिए सातवीं योजना के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का हिस्सा 433.45 लाख रुपये रहेगा। कृषि उत्पाद उपकर निधि 57.09 लाख रुपये होगी।

(ख) बिहार के गांवों में अच्छी नस्ल की गायें उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में, कृषि और सहकारिता विभाग के पशुपालन स्कंध की गांवों में गायें देने की कोई योजना नहीं है। तथापि, यह उल्लेख किया जा सकता है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के संस्थानों और समन्वित प्रायोजनाओं के विभिन्न केन्द्रों पर जो पशु फालतू हो जाते हैं उनको नीलाम किया जाता है और जो उनको लेना चाहे वह ले सकता है। प्रत्येक राज्य में पशुओं के सुधार के कार्यक्रम का दायित्व राज्य के विभाग का है।